1 अगस्त से बदल जाएंगे बड़े नियम

गैस से आईटीआर तक आपकी जेब पर होगा असर

क्रेडिट कार्ड, सेबी के नए नियमों का दिखेगा सीधा असर

नई दिल्ली 30 जुलाई, 30 जुलाई की रात के बाद देशभर में आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े कई महत्वपूर्ण नियम बदल जाएंगे. 1 अगस्त से लागू होने वाले इन बदलावों का असर रसोई के बजट, बैंकिंग सेवाओं, रेलवे टिकट बुकिंग, डाक सेवाओं, निवेश और आयकर समेत कई क्षेत्रों पर पड़ेगा.

कुछ फैसले लोगों को राहत देंगे, जबकि कुछ नियमों की अनदेखी करने पर अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है. हर महीने की तरह 1 अगस्त को तेल विपणन कंपनियां घरेलू और व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर के नए दाम जारी करेंगी. अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर एलपीजी और विमान ईंधन की दरों में बदलाव संभव है. इसका असर घरेलू रसोई के बजट के साथ-साथ होटल-रेस्तरां और हवाई यात्रा के किराए पर भी पड़ सकता है. रेल यात्रियों के लिए भी राहत भरी खबर है. तत्काल टिकट बुकिंग व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से कुछ स्थानों पर टोकन प्रणाली लागू किए जाने की तैयारी है. इससे लंबी कतारों और टिकट बुकिंग के दौरान होने वाली परेशानी कम होने की उम्मीद है. रक्षाबंधन से पहले डाक विभाग ने भी उपभोक्ताओं को राहत दी है. 1 अगस्त से राखी, ग्रीटिंग कार्ड और अन्य दस्तावेज भेजने का शुल्क कम किया जाएगा.

> सरकार ने त्योहारों के दौरान चीनी की उपलब्धता बनाए रखने के लिए व्यापारियों के स्टॉक पर सीमा तय कर दी है. वहीं, निवेशकों के हितों की सुरक्षा के लिए सेबी ने कंपनियों के शेयर बायबैक नियमों में भी बदलाव किया है. दूसरी ओर, आयकरदाताओं के लिए 31 जुलाई के बाद आईटीआर दाखिल करने पर लेट फीस और अन्य दंड लागू हो जाएंगे. ऐसे में विशेषज्ञ समय सीमा के भीतर आवश्यक कार्य पूरे करने की सलाह दे रहे हैं, ताकि अतिरिक्त आर्थिक बोझ से बचा जा सके.

सोना हुआ महंगा, चांदी सस्ती

नई दिल्ली, 30 जुलाई देश के सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में मिलाजुला रुख देखने को मिला. जहां सोने की कीमतों में हल्की तेजी दर्ज की गई, वहीं चांदी के दाम में गिरावट आई. ऐसे में आभूषण खरीदने या निवेश करने की योजना बना रहे लोगों के लिए ताजा भाव जानना जरूरी हो गया है. दिल्ली, जयपुर, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद और वडोदरा समेत कई प्रमुख शहरों में 22 और 24 कैरेट सोने के नए भाव जारी किए गए हैं. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सुबह के कारोबार में सोना 114 रुपये की बढ़त के साथ 1,41,895 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. वहीं चांदी 1,487 रुपये की गिरावट के साथ 2,15,992 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती रही.

डीजीसीए जांच में स्विच सुरक्षित

नई दिल्ली 30 जुलाई, अहमदाबाद विमान हादसे की जांच के बीच केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि दुर्घटनाग्रस्त एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच में अब तक किसी प्रकार की तकनीकी खराबी नहीं पाई गई है.

सरकार ने राज्यसभा में बताया कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के निर्देश पर विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच लॉकिंग मैकेनिज्म की विस्तृत जांच कराई गई, जिसमें कोई दोष सामने नहीं आया. हालांकि, पूरे थ्रस्ट कंट्रोल मॉड्यूल की तकनीकी जांच अभी भी जारी है.

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा में कांग्रेस सांसद जेबी मैथेर के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि विमान की एयरवर्दीनेस सुनिश्चित करने के तहत सिएटल स्थित ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर स्तर पर परीक्षण कराया गया. जांच के दौरान फ्यूल कंट्रोल स्विच के लॉकिंग डेटेंट्स सहित सभी महत्वपूर्ण हिस्सों की संरचनात्मक मजबूती का परीक्षण किया गया, लेकिन किसी प्रकार की तकनीकी गड़बड़ी नहीं मिली.

> इस जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही हादसे के कारणों को लेकर अंतिम तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी. राज्यसभा में सरकार ने उन दावों को भी खारिज किया, जिनमें कहा जा रहा था कि विमान दुर्घटना की जांच में अनावश्यक देरी हो रही है. सरकार ने स्पष्ट किया कि बड़े विमान हादसों की जांच अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार कई तकनीकी चरणों में होती है और इनके लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं होती. इसलिए जांच पूरी होने में लगने वाला समय स्वाभाविक प्रक्रिया का हिस्सा है.

आज बंद होगा पूजा प्रिसिजन इंजीनियरिंग का आईपीओ

गैर-संस्थागत निवेशकों की सबसे ज्यादा भागीदारी

ग्रे मार्केट प्रीमियम 300 से घटकर 225 रुपये, फिर भी मजबूत संकेत

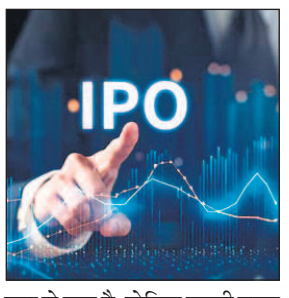

मुंबई, 30 जुलाई . पूजा प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड का 159.83 करोड़ रुपये का लघु एवं मध्यम उद्यम प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गुरुवार को निवेश के लिए बंद हो जाएगा. निर्गम के पहले दो दिनों में निवेशकों ने जबरदस्त रुचि दिखाई है और यह कई गुना भर चुका है.

हालांकि अनौपचारिक बाजार (ग्रे मार्केट) में इसका प्रीमियम शुरुआती स्तर से कुछ कम हुआ है, लेकिन निवेशकों का उत्साह अब भी बरकरार है. निर्गम के पहले दिन 28 जुलाई को यह 8.53 गुना भरा गया था. दूसरे दिन इसकी मांग में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई और कुल अभिदान (सब्सक्रिप्शन) 63.40 गुना तक पहुंच गया.

गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में सबसे अधिक उत्साह देखने को मिला, जहां निर्गम 108.82 गुना भरा गया. खुदरा निवेशकों की श्रेणी में 77.44 गुना और योग्य संस्थागत खरीदारों की श्रेणी में 7.30 गुना अभिदान प्राप्त हुआ. अनौपचारिक बाजार में कंपनी का ग्रे मार्केट प्रीमियम 225 रुपये चल रहा है. यह निर्गम खुलने के दिन के 300 रुपये के स्तर से कम है, लेकिन ऊपरी मूल्य बैंड 301 रुपये की तुलना में अब भी लगभग 74.7 प्रतिशत प्रीमियम का संकेत देता है.कंपनी ने निर्गम के लिए प्रति शेयर 285 से 301 रुपये का मूल्य बैंड तय किया है. यह पूरी तरह नए शेयरों का निर्गम है, जिसके तहत 53.10 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं. खुदरा निवेशकों के लिए न्यूनतम निवेश राशि 2,40,800 रुपये निर्धारित की गई है. शेयरों का आवंटन 31 जुलाई को किया जाएगा, जबकि कंपनी के शेयर 4 अगस्त 2026 को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे.

निर्गम से प्राप्त राशि में से 106.34 करोड़ रुपये नई विनिर्माण इकाई स्थापित करने, 30 करोड़ रुपये कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने तथा शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट कार्यों पर खर्च की जाएगी. पूजा प्रिसिजन इंजीनियरिंग प्रिसिजन इंजीनियरिंग पुर्जों का निर्माण करती है, जिनका उपयोग इंजन, ड्राइवट्रेन, विद्युत वाहन पावरट्रेन और विद्युत प्रणालियों में किया जाता है.

> कंपनी के 600 से अधिक उत्पाद प्रकार हैं और इसके ग्राहक ऑटोमोबाइल, रक्षा, एयरोस्पेस, ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा तथा कृषि सहित कई क्षेत्रों में फैले हैं. कंपनी जर्मनी, अमेरिका, इटली और स्विट्जरलैंड जैसे देशों में भी अपने उत्पादों की आपूर्ति करती है. वित्त वर्ष 2026 में कंपनी की कुल आय बढ़कर 295.20 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 30.90 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है

सितारे नहीं माता-पिता बने जीवन आदर्श

गुरु पूर्णिमा पर पतंजलि में 111 कुण्डीय महायज्ञ, 1176 विद्यार्थियों का उपनयन-वेदारंभ संस्कार

हरिद्वार, 30 जुलाई: पतंजलि फेज-दो योग भवन में दिव्य और भव्य तरीके से गुरु पूर्णिमा मनाया गया. इस दौरान पतंजलि योगपीठ पूरी तरह से गुरु-शिष्य परंपरा में डूबा रहा. यज्ञ, हवन से पूरा वातावरण बेहद 'भावमय' हो गया था. आवासीय विद्यालय आचार्यकुलम् में आज के पावन पर्व पर वैदिक रीति से 1176 विद्यार्थियों का उपनयन व वेदारंभ संस्कार संपन्न हुआ.

वहीं, पतंजलि फेज-दो के योग भवन में 111 कुण्डीय महायज्ञ का दिव्य आयोजन किया गया. जहां स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण से आशीष लेने के लिए हजारों शिष्य मौजूद रहें. इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा कि कुछ मुर्ख गुरु-शिष्य परंपरा को गुरु की गुलामी कहते हैं जबकि खुद वो विलासिता में डूबे हुए हैं. स्वामी रामदेव ने कहा कि नायक और नायिका को अपना आदर्श, रोल मॉडल और आईकन मत मानो, अपने माता-पिता, दादा-दादी, नानी-नानी को रोल मॉडल मानो. वहीं, आचार्य बालकृष्ण ने गुरु-शिष्य परंपरा का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए स्वामी रामदेव से चरण छूकर आशीर्वाद लेकर कहा कि गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व सकारात्मकता व पुरुषार्थ का संवाहक है. गुरु के बताये पथ पर चलने वाला कभी गलत रास्तों पर नहीं जा सकता. पतंजलि फेज-दो योग भवन में स्वामी रामदेव ने कहा कि हमारी संस्कृति में गुरु को साक्षात ब्रह्मस्वरूप माना गया है. आचार्यकुलम् सहित पतंजलि के सभी शिक्षा प्रकल्प गुरु-शिष्य परंपरा के पावन अधिष्ठान है. उन्होंने कहा कि कुछ मुर्ख गुरु-शिष्य परंपरा को गुरु की गुलामी कहते हैं जबकि वे खुद नशा, भोग, विलासिता, और अलग-अलग तरह के संसाधनों की गुलामी, कुंठाओं, जड़ताओं और प्रलोभनों में जीते रहते हैं.

> स्वामी जी ने गीत और डॉयलाग पर भी कड़ा प्रहार किया. कहा कि आजकल नालायक नायक हो गये हैं. फिल्मी सितारों के डॉयलाग और गाने गुनगुनाये और गाये जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि नालायकों को कभी अपना नायक नहीं बनाने की जरूरत है. कभी फिल्मी डॉयलाग नहीं बोलना, कभी फिल्मी गीत नहीं गाना. कहा कि जिस दिन हम आपस में वेदों के मंत्र गुनगुनाने लगेंगे उस दिन धरती सज जायेगी. उस दिन मेरे गीतों का त्योहार मनाया जाएगा. उन्होंने कहा कि फिल्मी सितारों का अनुकरण तो कभी करना ही नहीं है. फिल्मी सितारों को कभी भी अपना आदर्श, रोल मॉडल और आईकन नहीं मानना.

नौकरी बदलने वालों के लिए राहत

ईपीएफओ का नया ई-पोर्टल पुराने पीएफ खाते करेगा ट्रैक

नई दिल्ली, 30 जुलाई. बार-बार नौकरी बदलने वाले कर्मचारियों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने बड़ी राहत दी है. संगठन ने एक नया ई-पोर्टल तैयार किया है, जिसकी मदद से कर्मचारी अपने पुराने, बंद या निष्क्रिय भविष्य निधि खातों को आसानी से खोज सकेंगे उनमें जमा राशि को अपने वर्तमान सार्वभौमिक खाता संख्या में ऑनलाइन स्थानांतरित कर सकेंगे.

इससे वर्षों से अलग-अलग खातों में फंसे पीएफ की रकम को एक ही खाते में लाना आसान हो जाएगा.लोकसभा में श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने इस डिजिटल व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि नया पोर्टल आधार आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली पर काम करेगा. यदि नौकरी बदलने के दौरान किसी कर्मचारी का पुराना पीएफ खाता नए यूएएन से नहीं जुड़ पाया है, तो यह पोर्टल ऐसे निष्क्रिय खातों का पता लगाने और उन्हें मौजूदा खाते से जोड़ने में मदद करेगा. कर्मचारी चाहें तो पुराने खाते की राशि स्थानांतरित करने के साथ-साथ उसी पोर्टल के माध्यम से दावा भी कर सकेंगेईपीएफओ के अनुसार इस नई व्यवस्था का उद्देश्य पूरी प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और डिजिटल बनाना है.

भारतीय शेयर बाजार में आया उछाल

273 अंक पर चढ़ा सेंसेक्स

67 अंक पर आगे रहा निफ्टी

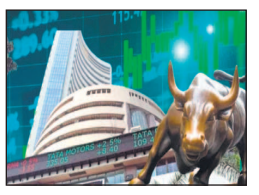

मुंबई, 30 जुलाई ऑटो और तेल एवं गैस सेक्टरों में लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांकों में तेजी देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स 273.55 अंक (0.35 प्रतिशत) चढ़कर 77,928.15 अंक पर बंद हुआ.नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 66.95 अंक यानी 0.28 प्रश की बढ़त के साथ 24,317.15 अंक पर पहुंच गया. यह दोनों सूचकांकों का 17 जुलाई के बाद का उच्चतम स्तर है. प्रमुख सेक्टरों के विपरीत वृहत बाजार में गिरावट रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.33 प्रश और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.56 प्रश फिसल गया. ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा लिवाली देखी गयी. तेल एवं गैस, आईटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, मीडिया और धातु सेक्टरों में भी तेजी रही. रियल्टी, रसायन, वित्त, बैंकिंग, सीमेंट और एफएमसीजी सेक्टरों पर बिकवाली का दबाव रहा. सेंसेक्स में मारुति सुजुकी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर करीब पौने दो फीसदी चढ़े.

रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और पावरग्रिड के शेयर एक से डेढ़ फीसदी तक मजबूत हुए. टेक महिंद्रा, सन फार्मा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी हरे निशान में रहे. अडानी पोर्ट्स का शेयर सवा तीन फीसदी के नुकसान में रहा.

इंडिगो, बजाज फिनसर्व, बीईएल, एक्सिस बैंक, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनीलिवर, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक और आईटीसी के शेयर भी नीचे रहे.

सभी टैक्सपेयर्स के लिए 31 जुलाई आखिरी तारीख नहीं

नई दिल्ली, 30 जुलाई . आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि को लेकर अधिकांश करदाताओं में यह धारणा रहती है कि 31 जुलाई ही सभी के लिए आखिरी दिन है. जबकि वास्तविकता इससे अलग है.

वित्त अधिनियम-2026 के तहत आयकर अधिनियम की धारा 139(1) में किए गए संशोधनों के बाद अब सभी करदाताओं के लिए एक समान अंतिम तिथि लागू नहीं होती. आईटीआर दाखिल करने की समय-सीमा इस बात पर निर्भर करती है कि करदाता किस प्रकार का आईटीआर फॉर्म भर रहा है, उसकी आय का स्रोत क्या है और उस पर कर लेखा-परीक्षण के नियम लागू होते हैं या नहीं. नए नियमों के अनुसार, आईटीआर-1 और आईटीआर-2 दाखिल करने वाले सामान्य करदाताओं के लिए 31 जुलाई अंतिम तिथि है.

इस श्रेणी में वे लोग आते हैं जिनकी आय वेतन, पेंशन, मकान संपत्ति, पूंजीगत लाभ, ब्याज, निवेश के रूप में रखी गई क्रिप्टो परिसंपत्तियों तथा विदेश से प्राप्त आय जैसे स्रोतों से होती है और जिन पर व्यवसाय या पेशे से जुड़ी आय लागू नहीं होती. वहीं आईटीआर-3 और आईटीआर-4 भरने वाले ऐसे करदाताओं को 31 अगस्त तक का अतिरिक्त समय दिया गया है, जिन पर कर लेखा-परीक्षण (टैक्स ऑडिट) अनिवार्य नहीं है. इसमें व्यवसायी, स्वरोजगार से जुड़े पेशेवर, फ्रीलांसर, सलाहकार, फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस तथा इंट्राडे ट्रेडिंग करने वाले निवेशक और आयकर अधिनियम की धारा. केवल वेतनभोगी होना ही 31 जुलाई की अंतिम तिथि तय नहीं करता.

ड्रैगन फ्रूट-स्ट्रॉबेरी से किसानों की बढ़ी कमाई

सोनभद्र, 30 जुलाई धान, गेहूं और मोटे अनाज की खेती के लिए पहचाने जाने वाले सोनभद्र जिले में अब कृषि का स्वरूप तेजी से बदल रहा है. पारंपरिक खेती के साथ-साथ किसान अब उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं. ड्रैगन फ्रूट और स्ट्रॉबेरी जैसी नकदी फसलें जिले के किसानों के लिए आय का नया और लाभदायक विकल्प बनकर उभरी हैं. आधुनिक खेती की तकनीकों, सरकारी अनुदान योजनाओं और उद्यान विभाग के मार्गदर्शन ने इस बदलाव को नई दिशा दी है. जिले में वर्तमान समय में 182 किसान ड्रैगन फ्रूट और स्ट्रॉबेरी की व्यावसायिक खेती कर रहे हैं. इनमें 106 किसान करीब 150 एकड़ क्षेत्र में ड्रैगन फ्रूट की खेती कर रहे हैं, जबकि 76 किसान लगभग 75 एकड़ में स्ट्रॉबेरी का उत्पादन ले रहे हैं.

Kolhapur Municipal Corporation

City Water Supply & Drainage Division

E-Tender (mahatenders.gov.in) Extension 2st

Tender Notice No.	Publish date	News Paper name	Extension No.
४१/२०२६-२७	१५/०७/२०२६	Navbharat (H)	१

Due to no Response for the above work, date Extension is being given From Date २९/०७/२०२६ to Date ०३/०८/२०२६.

The Terms & Conditions of Earlier Tender will be same.

इंडियन बैंक Indian Bank इलाहाबाद ALLAHABAD

इंडियन बैंक, बंगाली चौराहा शाखा : लोखण्डवाला, कॉम्पलेक्स, गोयल नगर, बंगाली चौराहा, इन्दौर-452016(म.प्र.)

परिशिष्ट - 4 {नियम-8(1)} आधिपत्य सूचना (अचल संपत्ति हेतु)

जबकि अधो-हस्ताक्षरकर्ता ने **इंडियन बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(12) और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002 का सपठित नियम 8 & 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणी **मेसर्स जयेश मल्टी ट्रेड - प्रोपराइटर श्री जयेश वाधवानी पिता श्री भीषम वाधवानी एवं जमानतदार श्री भीषम वाधवानी पिता श्री मोहनदास वाधवानी एवं श्रीमती सोनिया वाधवानी पति श्री भीषम वाधवानी** को हमारी **बंगाली चौराहा, शाखा** से मांगनी करते हुए **रु. 3,02,06,435.12/- (तीन करोड़ दो लाख छः हजार चार सौ पैंतीस रुपये और बारह पैसे मात्र) और** MSME OCC Limit **में रु. 2,59,943.03/- (दो लाख उनसठ हजार नौ सौ तैंतालीस रुपये और तीन पैसे मात्र)** उक्त सूचना पत्र की दिनांक से **60 दिवस** के भीतर मांग सूचना पत्र **दिनांक 18/04/2026** एवं **ऋणी श्री भीषम वाधवानी पिता श्री मोहनदास वाधवानी, श्रीमती सोनिया वाधवानी पति श्री भीषम वाधवानी एवं श्री जयेश वाधवानी पिता श्री भीषम वाधवानी** को हमारी **बंगाली चौराहा, शाखा** से मांगनी करते हुए सूचना पत्र में उल्लेखित राशि **रु. 4,96,083.67/- (चार लाख छियानवे हजार तिरासी रुपये और सड़सठ पैसे मात्र)** और गृह ऋण **में रु. 17,43,635.52/- (सत्रह लाख तैंतालीस हजार छः सौ पैंतीस रुपये और बावन पैसे मात्र)** उक्त सूचना पत्र की दिनांक से **60 दिवस** के भीतर मांग सूचना पत्र **दिनांक 05/05/2026** पर ब्याज और आगे ब्याज के साथ लौटाने के लिए निर्गमित किया।

ऋणी के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी एवं सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचना-पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 व 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित सम्पत्ति को आधिपत्य **दिनांक 28 जुलाई 2026** को ग्रहण कर लिया है।

ऋणी/जमानतदार/बंधककर्ता को विशेषत: तथा समस्त जनता को साधारणत: सतर्क किया जाता है कि इस सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई संव्यवहार न करें तथा यदि कोई संव्यवहार किया गया तो वह **रु. 3,41,91,319/- (तीन करोड़ इकतालीस लाख इक्यानवे हजार तीन सौ उन्नीस रुपये मात्र) (1. MSME OCC Limit Rs.3,15,23,571/-, 2. MSME TL-Rs.2,66,776/-, Home Loan- Rs.6,21,831/- and Home Loan Plus Rs. 17,79,141/-)** दिनांक 27/07/2026 तक एवं उस पर ब्याज के लिए इंडियन बैंक के प्रभार के अधीन होगा।

''हम सरफेसी अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जो प्रतिभूतियों को वापस छुड़ाने के आपके अधिकारों से संबंधित हैं''।

अचल सम्पत्ति का विवरण

मकान पर्ल विला 27, भूमि एन्क्लेव, सिल्वर स्प्रिंग्स, ए.बी. रोड बाईपास, इंदौर, 452001, इंदौर, मध्य प्रदेश, क्षेत्रफल 2767 वर्गफीट, **संपत्ति मालिक: श्री भीषम वाधवानी पिता श्री मोहनदास वाधवानी, श्रीमती सोनिया वाधवानी पति श्री भीषम वाधवानी, चर्तु:सीमाएं:** पूर्व: विला पर्ल 26, पश्चिम: विला पर्ल 28, उत्तर: टाउनशिप रोड, दक्षिण: टाउनशिप की बाउंड्री वॉल

दिनांक : 31.07.2026 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान : इन्दौर **इंडियन बैंक**

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड IDFC FIRST Bank

(पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित)
(CIN-L65110TN2014PLC097792)
रजिस्टर्ड ऑफिस : के आरएम टॉवर्स, 8वां तल, हेरिंगटन रोड, चेटपेट, चेन्नई-600031
फोन : +914445644000, फैक्स: +914445644022

परिशिष्ट IV [नियम 8 (1)] कब्जा सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, जो बाद में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में विलय हो गया) के अधिकृत अधिकारी के रूप में, सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट अधिनियम, 2002 के अंतर्गत तथा अधिनियम की धारा 13(12) एवं सिक्योरिटी इंटरेस्ट (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 20.08.2025 को उधारकर्ता, सह-उधारकताओं एवं गारंटर: 1. भोम सिंह दांगी 2. रामकुँवर हेमराज को एक मांग नोटिस जारी किया गया था, जिसमें उन्हें नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर रू. 6,30,872.64/- (छह लाख तीस हजार आठ सौ बहत्तर और चौंसठ पैसे मात्र) (दिनांक 20.08.2025 तक देय राशि) का भुगतान करने के लिए कहा गया था।

चूँकि उधारकर्ता उक्त राशि का भुगतान करने में विफल रहे, इसलिए उधारकर्ता तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटी इंटरेस्ट (प्रवर्तन) अधिनियम, 2002 की धारा 13(4) तथा सिक्योरिटी इंटरेस्ट (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे वर्णित संपत्ति का भौतिक कब्जा दिनांक 28 जुलाई 2026 को अपने अधिकार में ले लिया है।

उधारकताओं तथा आम जनता को सावधान किया जाता है कि वे उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का लेन-देन न करें। यदि कोई व्यक्ति इस संपत्ति के संबंध में कोई लेन-देन करता है, तो वह आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, जो बाद में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड में विलय हो गया) के रू. 6,30,872.64/- (छह लाख तीस हजार आठ सौ बहत्तर और चौंसठ पैसे मात्र) तथा उस पर देय ब्याज के अधिकार (चार्ज) के अधीन होगा।

उधारकर्ता का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) की ओर भी आकर्षित किया जाता है, जिसके अंतर्गत उन्हें सुरक्षित परिसंपत्ति को विधि द्वारा निर्धारित समयावधि के भीतर बकाया राशि का भुगतान करके छुड़ाने का अधिकार प्राप्त है।

अचल संपत्तियों का विवरण।

मकान नंबर 177, वार्ड नंबर 9, माताजी मंदिर के पास, गांव मंडावल, रतलाम, मध्य प्रदेश में स्थित वह पूरी संपत्ति, जिसका क्षेत्रफल 56.48 वर्ग मीटर (यानी 608 वर्ग फुट) है। इस संपत्ति की सीमाएं इस प्रकार हैं: उत्तर में गली; दक्षिण में जनकपुर जाने वाली सड़क और विक्रेता के मकान का बाकी हिस्सा; पूर्व में कमल सिंह (पिता भीम सिंह जी) का मकान; पश्चिम में 4 फीट चौड़ी गलियारे की जमीन जो विक्रेता की है।

दिनांक: 28.07.2026 **प्राधिकृत अधिकारी**
स्थान: मध्यप्रदेश **आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड और आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित)**
ऋण खाता संख्या: 97751416

HSBC MUTUAL FUND

NOTICE

NOTICE is hereby given to all the Investor(s)/ Unit holder(s) of HSBC Mutual Fund ("the Fund") that in accordance with Regulation 54 and 56 of Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996 read with para 5.4.5 of SEBI Master Circular dated June 27, 2024, the Annual Report and the Abridged Annual Report of all schemes of the Fund for the year ended March 31, 2026, have been hosted on the Fund's website at www.assetmanagement.hsbc.com/in and on AMFI's website at www.amfiindia.com.

Investors/ Unit holders can also submit a request for a physical or electronic copy of the scheme wise annual report or abridged summary thereof through following modes:

Email: investor.line@mutualfunds.hsbc.co.in
Call: Toll free number(s) - 1800-4190-200/ 1800-200-2434 or +91 44 39923900 (Investors calling from abroad) between Monday to Saturday (9:00 AM to 6:00 PM)

Additionally, Unit holders may also contact Investor Service Centres.

Further, Unit holders are encouraged to register their email id with us for receiving periodic updates on emails.

For & on behalf of **HSBC Asset Management (India) Private Limited**
(Investment Manager to HSBC Mutual Fund)

Sd/-
Authorised Signatory
Mumbai, July 30, 2026

HSBC Asset Management

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

HSBC Asset Management (India) Private Limited, 9-11 Floors, NESCO IT Park, Building no. 3, Western Express Highway, Goregaon (East), Mumbai – 400 063, India.
Email: investor.line@mutualfunds.hsbc.co.in, Website: www.assetmanagement.hsbc.co.in
Customer Service Number - 1800 200 2434/ 1800 4190 200
Issued by HSBC Asset Management (India) Private Limited
CIN-U74140MH2001PTC134220